नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

स्थापित 2005 ई.
जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी

मो. 7897475917, 9794299451
Website : www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

पत्रांक.............................. . दिनांक : 26.08.2021

प्रकाशनार्थ

किसी भी देश अथवा समाज की वास्तविक पूंजी उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा पीढ़ी और देश के भविष्य भविष्य में अन्योन्याश्रित सम्बन्ध होता है। यदि किसी देश अथवा समाज में युवाओं की आनुपातिक संख्या अधिक है, तो वह देश या समाज प्रगति एवं विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ता है। **युवा वायु के समान होता है। उसके अंदर असीमित ऊर्जा एवं रचनात्मकता का भंडार होता है।** युवा अगर चाहे तो वह स्वयं के विकास के साथ–साथ तद्युगीन समाज की धारा को परिवर्तित एवं नियंत्रित कर सकता है। इसके लिए यह आवश्यक है कि युवा स्वयं बुराइयों, दुर्गुणों, व्यसनों, अंधविश्वास एवं कुरीतियों से दूर रहते हुए समाज को भी इन अवगुणों से निर्लिप्त रखनें का सतत प्रयास करे। हर युवा को यह चाहिए कि वह यह माने की उसकी उम्र उसके जीवन का वह दौर है जिसमें वह अपने समाज और देश के लिए जो अच्छा चाहे, वह कर सकता है क्योंकि युवावस्था में ही व्यक्ति के पास वह जोश और जुनून होता है जिसका सकारात्मक पक्ष राष्ट्र निर्माण में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करा सकता है।

उक्त बातें **राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय ऑनलाइन व्याख्यान–माला** के चौथे दिन **पुनरूत्थान विद्यापीठ गुजरात** की **कुलपति डॉ. इन्दूमति काटदरे** ने बतौर मुख्य वक्ता कही। अपने निर्धारित विषय **'युवा अवस्था में जीवन विकास के सूत्र'** पर आगे बोलते हुए उन्होंने आगे कहा कि युवा अवस्था में व्यक्ति का सामाजिक परिवेश अत्यन्त विस्तृत एवं संवेदनशील हो जाता है। ऐसी स्थिति में अत्यन्त संयम एवं धीरज से युवाओं को अपने भावी जीवन के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए और समाज एवं राष्ट्र के उन्नयन में अपना योगदान सुनिश्चित करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि युवाओं को अपनी प्राण शक्ति को जागृत कर उत्साह शक्ति के माध्यम से **स्व** के साथ **पर** की भी चिन्ता करनी चाहिए। युवावस्था में अपनी सृजनात्मक क्षमता के बल पर युवा कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के पुरातन छात्र परिषद् के पूर्व अध्यक्ष **श्री मनीष त्रिपाठी** ने किया। जूम एप पर आयोजित इस व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाजशास्त्र विषय के

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण महाविद्यालय के यू–ट्यूब चैनल एवं फेसबुक पर भी किया गया। जहाँ सैकड़ों की संख्या में प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

रानी पद्मावती को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में **जौहर दिवस** के अवसर पर प्रार्थना सभा में **चित्तौड़ गौरव महारानी पद्मावती** को श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की प्रवक्ता डॉ. सुधा शुक्ला ने महारानी पद्मावती के अप्रतिम एवं स्वाभिमानी जीवन चरित्र पर अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि महारानी पद्मावती का जीवन स्वदेश–स्वजाति–स्वधर्म एवं पातिव्रत–सतित्वता का ज्वलन्त उदाहरण है। काल के अन्त तक महारानी पद्मावती की गौरव गाथा नारी जाति का मार्ग प्रशस्त करती रहेगी। अपने नारी–धर्म और सतीत्व की रक्षा के लिए रानी पद्मावती सहित उन सोलह हजार राजपूत स्त्रियों द्वारा जौहर हेतु उठाया गया कदम विश्व इतिहास में अपने आप में अनूठा एवं गौरवपूर्ण है। हमें उन नारियों के इस बलिदान से सीख लेते हुए राष्ट्र के सम्मान हेतु अपना सर्वस्व न्यौछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। उक्त अवसर पर डॉ. सुधा शुक्ला द्वारा महाकवि **पंडित श्याम नरायण पाण्डेय** द्वारा रचित प्रसिद्ध खण्ड काव्य **जौहर** के कुछ अंशो का भी वाचन कर महाविद्यालय परिवार की ओर से महारानी पद्मावती को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

SKmishra

डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी